पद १२

(राग: पिलु जिल्हा - ताल: त्रिताल)

ऐक आतां मुमुक्षु बा रे। त्वरितची मोक्ष जीवारे।।ध्रु.।। एक्याभावे तत्पर होउनी। करी कीं सदुरु सेवा रे।।१।। सदुरु नाम तुम्ही जपा निशिदिनीं। पार करीत भव भया रे।।२।। माणिक म्हणे सदुरुच्या दयेनें। डोळा भरूनी देव पहा रे।।३।।